

Ordinance

UGGO

Significance of Geography

The systematic and intensive study of Geography is significant because of following factors.

1. Since Geography is study of time and space, it provides applied knowledge to understand the physical social and economic realities in ever-changing time and space.
2. Without knowing geography the general knowledge is incomplete, which is essential for various competitive examinations.
3. Geography provides a background for the regional planning in development which is conducive for sustainable development.
4. The modern techniques of Geographical analysis such as Remote Sensing, GIS, GPS etc. are helpful in Resource and Environmental Management and Disaster Management.
5. Geography provides an opportunity of employment in various fields,

The important are:

- a. Teaching and Research;
- b. Town Planning Departments; in a country.
- c. National Atlas and Thematic Mapping Organization.
- d. Regional Planning;
- e. Remote Sensing; and G.I.S
- f. Statistical Departments;
- g. Urban/Rural/Agricultural Planning;
- h. Water Resource Departments;
- i. Demographic Study and census.
- j. Survey of India.
- k. Administrative Services- Central and State Governments.
- l. Environment and development.

UGGO (GEOGRAPHY) SCHEME OF EXAMINATION

Each Theory Paper 3 Hrs. duration

Max. Marks : 100 Marks

Dissertation/Thesis/Survey Report/ Field work, if any 100 marks

1. The number of papers and the maximum marks for each paper, practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the Assignment part (wherever prescribed) of a subject/Paper separately.
2. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination. No division will be awarded at the Previous Examination; Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below:

The evaluation system of the programme will be based on two components:

- (a). Continuous evaluation in the form of periodic assignments, mid-term tests etc., with a weightage of 30%.
- (b). Semester-end examination, with a weightage of 70%.

The division shall be awarded to a successful candidate at the end of his examination On the basis of their aggregate marks in all papers/courses as per following break-up.

First Division	60% or above
Second Division	48% or more but less than 60%
Third Division	36% or more but less than 48%

Each course will carry 100 marks out of which the written paper shall consist of 70 marks and 30 marks shall be allotted for the candidate's performance in the seasonal works, i.e. mid-term tests, assignments etc. To pass, the candidate must obtain a minimum of 36% marks in each course of study, practical and project examination separately. A candidate is required to pass both in Assignments and Term-end examination individually. The candidate having marks less than aggregate 36% shall be declared as 'failed' .

UGGO

स्नातक भूगोल

स्नातक भूगोल कार्यक्रम (बी.ए.)(UGGOProgramme) (B.A.)

कार्यक्रम कोड / Programme Code	: 101	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में)	: न्यूनतम : 3 अधिकतम : 6
कार्यक्रम माध्यम / Medium of Instruction	: हिन्दी / Eng.	Programme Duration (in yrs.)	: Minimum : 3 Maximum : 6
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता / Minimum	: 10+2	कार्यक्रम शुल्क प्रतिवर्ष / Programme Fee Per Year	: 4000+100/-
Qualification for Admission			

अधिन्यास कार्य / Assignment Work:- : आवश्यक / Essential

स्नातक भूगोलUGGO

Year/वर्ष	Course Code/ पाठ्यक्रम कोड	Title of Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits/ क्रेडिट	Compulsory/ Elective अनिवार्य/वैकल्पिक
Compulsary Core Course/विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम				
1 st Sem.	UGGO-101	भौतिक भूगोल	4	अनिवार्य
2 nd Sem.	UGGO-102	मानचित्र कला	4	अनिवार्य
3 rd Sem.	UGGO-103	भारत का भूगोल	4	अनिवार्य
4 th Sem.	UGGO-104	मानव भूगोल	4	अनिवार्य
Discipline Centric Elective Course/विषय केन्द्रित वैकल्पिक पाठ्यक्रम				
5 th Sem.	DCEGO-101 Or	आर्थिक भूगोल अथवा	4 or	वैकल्पिक
	DCEGO-102	भौगोलिक चिन्तन का क्रमविकास	4	
6 th Sem.	DCEGO-103 Or	विश्व का प्रादेशिक भूगोल अथवा	4 Or	वैकल्पिक
	DCEGO-104	पर्यावरण भूगोल	4	
Ability Enhancement Compulsory Course (Toatal Credits:8)				
1 st Sem.	AECEG Or	Ability Enhancement course in English Or	4 Or	वैकल्पिक
	AECHD	Ability Enhancement course in Hindi	4	
2 nd Sem.	AECEA	Ability Enhancement course in Environment Awareness	4	अनिवार्य
Skill Enhancement Course (Total Credits: 16)				
3 rd Sem.	SES&T- 01	Skill Enhancement Course on Science & Technology	4	अनिवार्य
4 th Sem.	SEIC & T - 02	Skill Enhancement Course on Indian Culture & Tourism	4	अनिवार्य
5 th Sem.	SESP - 03	Skill Enhancement Course on Secretarial Practices	4	अनिवार्य
6 th Sem.	SEINS-04	Skill Enhancement Course on Insurance	4	अनिवार्य
Open Elective (Total Credits:8)				
5 th Sem.	OEODL Or	Open Elective course in Open & Distance Learning or	4 or	वैकल्पिक or वैकल्पिक
	OEIT	Open Elective course in Information Technology	4	
6 th Sem.	OECNC Or	Open Elective course in Nutrition for Community Or	4 Or	वैकल्पिक or वैकल्पिक
	OEDM	Open Elective course in Disaster Management	4	
			4	

UGGO-101 भौतिक भूगोल

खण्ड 1- स्थल मण्डल

इकाई1 भौतिक भूगोल की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, पृथ्वी की उत्पत्ति, पृथ्वी की आन्तरिक संरचना,

इकाई 2 भूपटल परिवर्तनकारी शक्तियाँ, महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति के सिद्धान्त

इकाई3 भू सन्तुलन की संकल्पना, ज्वालामुखी एवं भूकम्प तथा उनसे उत्पन्न भूआकृतियाँ, चट्टान एवं उनका वर्गीकरण

इकाई4 अपवाह प्रणाली एवं अपवाह प्रतिरूप, अपरदन एवं उसके कारक एवं उनसे निर्मित भू आकृतियाँ— नदी, पवन, हिमानी एवं भूमिगत जल।

खण्ड 2- वायुमण्डल

इकाई5 वायुमण्डल का संगठन एवं स्तरीकरण, सूर्यातप एवं तापमान

इकाई6 वायुदाब – प्रभावित करने वाले कारण एवं वितरण, स्थायी एवं स्थानीय हवाएं,

इकाई7 वायुराशि चक्रवात एवं प्रति चक्रवात आर्द्रता तथा वर्षा के प्रकार एवं वितरण,

इकाई8 जलवायु का वर्गीकरण एवं विश्व के जलवायु प्रदेश।

खण्ड 3- जल मण्डल

इकाई9 महासागरीय नितल, महासागरीय जल के तापमान एवं लवणता का वितरण एवं प्रभावित करने वाले कारक,

इकाई10 महासागरीय जल धाराएं – उत्पत्ति के कारण एवं विभिन्न महासागरों (अन्धमहासागर, शान्त एवं हिन्द महासागर) में वितरण प्रतिरूप

इकाई11 ज्वार—भाटा— उत्पत्ति, वर्गीकरण, उत्पत्ति के सिद्धान्त, प्रवाल भित्तियाँ— प्रवाल विकास की भौगोलिक परिस्थितियों, वर्गीकरण, उत्पत्ति के सिद्धान्त

खण्ड 4- जैव मण्डल

इकाई12 जीव मण्डल – जैव मण्डल का अभिप्राय, पर्यावरण एवं जीव मण्डल, जीव मण्डल के तत्व

इकाई 13 वनस्पति अनुक्रम, पादप एवं जन्तुओं का उदभव विकास

इकाई14 जन्तु प्रजनन एवं प्रकार एवं उनके साधन एवं विधियाँ, विश्व के जन्तु भौगोलिक प्रदेश।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रोफेसर जगदीश सिंह— भौतिक भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. सविन्द्र सिंह —भौतिक भूगोल प्रवालिका प्रकाशन प्रयागराज
- डी.एस. लाल – भौतिक भूगोल, शारदा प्रकाशन, प्रयागराज
- Arthur Strahler - Introduction to Physical Geography , John Wiley & Son's
- Geography : A Integral Approach- David Waugh.

UGGO-102 मानचित्र कला

खण्ड-01 मानचित्र परिचय एवं मापनी

इकाई 1 मापनी – परिभाषा एवं प्रकार,साधारण मापक, तुलनात्मक मापक–रचना एवं विशेषताएं।

इकाई 2 विकर्ण मापनी–रचना एवं विशेषताएं, वर्नियर मापनी–रचना एवं उनकी विशेषताएं।

खण्ड-02 भूगोल के अध्ययन की विधिया एवं भू-आकृतियों का प्रदर्शन

इकाई 3 भूगोल के अध्ययन की विधिया– मानचित्र एवं मानचित्रण, मानचित्र का इतिहास एवं आवश्यकता।

इकाई 4 आधुनिक विधियाँ, दूरस्थ संवेदन, हवाई छायाचित्र की व्याख्या, कम्प्यूटर मानचित्रण।

इकाई 5 समोच्च रेखा द्वारा भू-आकृतियों का प्रदर्शन, पहाड़ी, कटक, पर्वत, पठार, टेकरी, स्कन्ध, कगार, वी आकार घाटी, जल प्रपात,, यू आकार घाटी– रचना एवं विशेषताएं।

खण्ड-03 भू-पत्रक

इकाई 6– भू-पत्रक का महत्व, निर्माण का इतिहास, भारत में भू-पत्रक का निर्माण।

इकाई 7 – भू-पत्रक का अध्ययन, मैदानी क्षेत्र, पर्वतीय क्षेत्र, पठारी क्षेत्र एवं तटीय क्षेत्र।

इकाई 8– स्थालाकृति मानचित्र हेतु परम्परागत चित्र चिन्ह,

खण्ड-04 मौसम मानचित्र

इकाई 9– मौसम एवं जलवायु, मौसम मानचित्र की परिभाषा।

इकाई 10 –मौसमी दशाओं को प्रदर्शित करने वाले प्रतीक।

इकाई 11–भारत में ग्रीष्मकाल, शीतकाल एवं वर्षाकाल के मौसम मानचित्रों का अध्ययन।

खण्ड 03 सांख्यिकी आकड़ों का प्रदर्शन

इकाई 12 सामान्य दण्ड आरेख– रचना एवं विशेषताएं, मिश्रित दण्ड आरेख–रचना एवं विशेषताएं।

इकाई 13 पिरामिड आरेख, चक्रारेख–निर्माण एवं विशेषताएं, वृत्त आरेख।

इकाई 14 . जनसंख्या वितरण मानचित्र– बिन्दु विधि एवं छाया विधि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

- डॉ. एल.आर सिंह – प्रायोगिक भूगोल के सिद्धान्त, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. आर.एल. सिंह –Elements of Practical Geography कल्याणी पब्लिकेशन, वाराणसी
- प्रो. हीरा लाल–प्रयोगात्मक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
- डॉ. आर.सी. तिवारी – अभिनव प्रयोगात्मक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. के.एन. सिंह – प्रायोगिक भूगोल के मूलतत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर

UGGO-103 भारत का भूगोल

खण्ड 1- सामान्य परिचय

- इकाई 1** नामकरण, स्थिति एवं विस्तार, भारत का भू राजनीतिक महत्व
इकाई 2 विश्व एवं एशिया के सन्दर्भ में आधुनिक भारत
इकाई 3 राज्य पुनर्गठन, भौगोलिक व्यक्तित्व

खण्ड 2- भौतिक पर्यावरण एवं भारत में कृषि

- इकाई 4** उच्चावच एवं भौतिक प्रदेश, अपवाह तंत्र एवं अपवाह प्रणाली,
इकाई 5 मिट्टियों का वर्गीकरण एवं वितरण, जलवायु एवं जलवायु प्रदेश,
इकाई 6 वनस्पतिक प्रदेश, भारत में कृषि एवं प्रमुख फसलें— गेहूँ, चावल, गन्ना,
इकाई 7 कपास, चाय एवं दलहन का उत्पादन एवं वितरण, भारत में हरित क्रान्ति, भारत में हरित क्रान्ति

खण्ड 3- भारत में खनिज एवं ऊर्जा स्रोत

- इकाई 8** लौह अयस्क — उत्पादन एवं वितरण, अभ्रक — उत्पादन एवं वितरण,
इकाई 9 बाक्साइट— उत्पादन एवं वितरण, मैग्नीज— उत्पादन एवं वितरण
इकाई 10 पेट्रोलियम, कोयला, जल विद्युत, आणुविक ऊर्जा
इकाई 11 भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या वितरण तथा उनको प्रभावित करने वाले कारक
इकाई 12 भारत में जनसंख्या की आयु वर्ग संरचना, नगरीकरण

खण्ड 4- भारत में औद्योगिकरण, परिवहन एवं व्यापार

- इकाई 13** प्रमुख उद्योग—लौह—इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, कागज उद्योग,
इकाई 14 औद्योगिक प्रदेश, भारत में परिवहन— रेल परिवहन, सड़क परिवहन, जल परिवहन,
इकाई 15 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की प्रवृत्तियाँ एवं प्रतिरूप

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची —

- प्रोफेसर जगदीश सिंह, — भारत, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- प्रोफेसर आर.सी. तिवारी — भारत का भूगोल प्रवालिका पब्लिकेशन्स, इलाहाबाद
- डॉ. अलका गौतम — भारत का बृहद भूगोल
- Prof. R.L. Singh, B.H.U. -India: A Regional Geography, National Geographical Society of India, Varanasi
- M. Hussain: Geography Of India, Tata McGraw Hill Education, New Delhi.
- J.Singh— India : A Comprehensive and Systematic Geography

UGGO-104 मानव भूगोल

खण्ड 1- मानव भूगोल का परिचय, उपागम एवं सिद्धान्त

- इकाई 1-** मानव भूगोल : अर्थ, विषय क्षेत्र, उपागम एवं विकास,
इकाई 2- मानव भूगोल के अध्ययन के उपागम— ऐतिहासिक, पारिस्थितिकी आचारपरक, कल्याणपरक उपागम
इकाई 3- मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त – सार्वभौमिक एकता का सिद्धान्त, क्रियाशीलता का सिद्धान्त, वातावरण मानव अन्तर्सम्बन्ध का सिद्धान्त
इकाई 4- नियतिवाद, सम्भवादवाद, नवनियतिवाद, जर्मन योगदान, फ्रांसीसी, ब्रिटिश, अमेरिकी योगदान।

खण्ड 2- प्रजाति एवं जनजाति

- इकाई 5-** मानव एवं विशिष्ट जीवन पद्धति का विकास
इकाई 6- मानव प्रजातियाँ— उद्भव, आस्ट्रेलोपिथेसियन, होमोहैबिलिस, पिथेकान्थ्रोपस, होमोइरेक्टस, होमोसेपियन, नियान्डरटालिस, होमोसेपिन्यन्स, सेपियन,
इकाई 7- प्रजाति संकल्पना, प्रजातियों का वर्गीकरण, कद, नासिका, आकृति, त्वचावर्ण, कापालिक परिमिति, विश्व की प्रजातियाँ
इकाई 8- विश्व की प्रमुख जनजातियाँ— सेमांग, एस्किमो, बद्दू, बुशमैन, मसाई, किरगीज

खण्ड 3- जनसंख्या

- इकाई 9-** जनसंख्या: वितरण प्रतिरूप एवं संसाधन अन्तर्सम्बन्ध महत्व
इकाई 10- विश्व जनसंख्या वितरण प्रतिरूप— अधिक जनसंख्या वाले, मध्यम जनसंख्या, जनरिक्त क्षेत्र, जनसंख्या घनत्व,
इकाई 11- जनसंख्या के असमान वितरण के कारक, प्राकृतिक तत्व, संसाधन आधार, प्रवजन—आवजन, राजनीतिक, पूर्वी एशिया, द0 पू0 एशिया,
इकाई 12- जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त, माल्थस, नव माल्थस, ऐतिहासिक, जननांकीकिय संक्रमण सिद्धान्त, सामाजिक—सांस्कृतिक सिद्धान्त।

खण्ड 4- मानव अधिवास

- इकाई 13-** मानव अधिवास— अधिवास की परिभाषा, अधिवास के तत्व,
इकाई 14- अधिवास का वर्गीकरण, ग्राम एवं नगर, बस्तियों के प्रकार, प्रविकीर्ण बस्तियाँ, सामूहिक अधिवास, भारतीय गाँव,
इकाई 15- नगरीकरण का विश्व प्रतिरूप, नगरीकरण का प्रभाव, नगरों की उत्पत्ति एवं विकास के कारण, नगरों का वर्गीकरण।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- प्रो. जगदीश सिंह—मानव भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. एस.डी. मौर्य – मानव भूगोल शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. माजिद हुसैन – मानव भूगोल, रावत पब्लिकेशन, जयपुर
- Chisholm, M. Human Geography. Penguin Books, London
- De Blij, H.J. Human Geography: Culture, Society and space, John Wiley and Sons, New York.
- Spencer, J.E. and Thoma, W.L. Jr. Cultural Geography: An Evolutionary Introduction to Our Humanized Earth, Wiley, New York.

DCEGO-101 आर्थिक भूगोल

खण्ड 1- आर्थिक भूगोल का परिचय

- इकाई 1-** आर्थिक भूगोल: परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, प्राथमिक उत्पादन, द्वितीयक उत्पादन, तृतीय उत्पादन, आर्थिक भूगोल का क्रम विकास— प्रारम्भिक युग, अर्न्तयुद्ध काल, युद्धोत्तर काल
- इकाई 2-** आर्थिक भूगोल एवं अर्थशास्त्र, अध्ययन के उपागम— सामान्य विषय वस्तु, प्रादेशिक उपागम, सैद्धान्तिक उपागम, आर्थिक भूगोल के अध्ययन की विधियाँ,
- इकाई 3-** संसाधन की संकल्पना, मानव संसाधन— जनसंख्या, शिक्षा एवं संस्कृति
- इकाई 4-** प्राकृतिक संसाधन— प्राकृतिक संसाधनों का बहुपक्षीय वर्गीकरण, संसाधन उपयोग को प्रभावित करने वाले कारक, संसाधन संरक्षण का अर्थ, आवश्यकता एवं नियम

खण्ड 2- विश्व में खनिज एवं ऊर्जा स्रोत

- इकाई 5-** खनिज संसाधन— खनिजों का महत्व एवं उपयोग, खनिजों के प्रकार— धात्विक एवं अधात्विक खनिज
- इकाई 6-** विभिन्न खनिजों का विश्व में वितरण, उत्पादन एवं व्यापार प्रतिरूप— लौह अयस्क, मैंगनीज, तांबा, बाक्साइट
- इकाई 7-** ऊर्जा तथा शक्ति के संसाधन, वितरण एवं उत्पादन प्रतिरूप— कोयला, जल विद्युत, ऊर्जा के संभाव्य स्रोत, परमाणु ऊर्जा, सौर ऊर्जा

खण्ड 3- मिट्टी संसाधन एवं कृषि

- इकाई 8-** मिट्टी संसाधन— मिट्टी के तत्व: मिट्टी के कारक, वर्गीकरण एवं वितरण,
- इकाई 9-** विश्व में फसलों का उत्पादन— वितरण प्रतिरूप एवं प्रभावित करने वाली भौगोलिक दशाएँ— चावल, मक्का, गन्ना, चाय एवं कहवाँ, कपास,
- इकाई 10-** विश्व के कृषि प्रदेश एवं उनकी विशेषताएँ

खण्ड 4- उद्योग एवं व्यापार

- इकाई 11-** वस्तु निर्माण उद्योग— स्थानीयकरण के कारक, वेबर का सिद्धान्त, विश्व में लौह—इस्पात उद्योग— उत्पादन एवं वितरण, विश्व में वस्त्र उद्योग— उत्पादन एवं वितरण,
- इकाई 12-** औद्योगिक प्रदेश की परिभाषा एवं विशेषताएँ: पश्चिमी यूरोप एवं पूर्वी यूरोप, जापान के औद्योगिक प्रदेश
- इकाई 13-** विश्व के प्रमुख सामुद्रिक जलमार्ग, विश्व के प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार संगठन
- इकाई 14-** यूरोपीय समुदाय, नाफ्टा, कामेकाम, एशियान, साफ्टा, लैटिन अमेरिका मुक्त व्यापार संगठन

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रो. जगदीश सिंह—आर्थिक भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. एस.डी. मोर्य – आर्थिक भूगोल शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- Hartshorn, T.A. and Alexander, J.W. Economic Geography, Prentice Hall Inc. Pvt. Ltd. New Delhi.
- Anderson, W.P. Economic Geography, Routledge, London and New York.
- Mackinnon, D. and Cumber, A. Introduction to Economic Geography of the World Economy, Routledge, London and New York.
- Combes, P. Mayer, T. and Thisse, J.F. Economic Geography: The Integration of Regions and Nations, Princeton University press, New Jersey.

DCEGO- 102 भौगोलिक चिन्तन का क्रम विकास

खण्ड 1- प्राचीन काल में भूगोल

- इकाई 1- प्राचीन काल में भूगोल – प्राचीन भारत में भूगोल, प्रभाव, अवधारणाएं,
इकाई2- प्रादेशिक भूगोल, यूनान एवं रोम साम्राज्य में भूगोल
इकाई3- भारतीय एवं ग्रीक– रोमन भूगोल विद्वानों के योगदान की तुलना, अरब भूगोल वेत्ताओं का योगदान
इकाई4- पुनर्जागरण काल में भूगोल की प्रगति, भौगोलिक यात्राएँ– कोलम्बस, वास्को–डि–गामा, मैंगलेन

खण्ड 2- जर्मन सम्प्रदाय

- इकाई5- वैज्ञानिक भू-अन्वेषण एवं ज्ञानोदय काल में भूगोल– वैज्ञानिक प्रगति, विशुद्ध भूगोल सम्प्रदाय:
इकाई6- भूगोल का दार्शनिक आधार, काण्ट, आधुनिक भूगोल का जर्मन सम्प्रदाय– हम्बोल्ट एवं रिटर की कृतियाँ एवं संकल्पनाएं,
इकाई7- द्वैतवाद, हेटनर की कृतियाँ एवं संकल्पनाएं।

खण्ड 3- फ्रांसीसी, अमेरिकन एवं ब्रिटिश भूगोलवेत्ता

- इकाई8- भूगोल का फ्रांसीसी सम्प्रदाय– ब्लास, ब्रूश एवं डेमांजिया की कृतियाँ एवं संकल्पनाएं
इकाई9- आंग्ल अमेरिकी सम्प्रदाय – संयुक्त राज्य अमेरिका में भूगोल का प्रारम्भ, डेविस की कृतियाँ एवं योगदान,
इकाई10- सेम्पुल – कृतियाँ एवं योगदान, हंटिंग्गन– कृतियाँ एवं योगदान
इकाई11- ग्रेट ब्रिटेन में भूगोल– मैकिण्डर एवं स्टाम्प, रूस में भूगोल की प्रगति।

खण्ड 4- भारत में भूगोल की प्रगति तथा भूगोल की प्रकृति

- इकाई12- भारत में भूगोल की प्रगति– पृष्ठभूमि, शिक्षण विस्तार, भौगोलिक शोध
इकाई13- अभिनव प्रवृत्तियाँ, भूगोल की प्रकृति– पृथ्वी तक का विज्ञान, विभिन्नताओं में अन्तर्सम्बन्ध, प्रादेशिक विशिष्टता का निरूपण
इकाई 14- भूगोल का वैज्ञानिक स्वरूप एवं अन्य विषयों से सम्बन्ध।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- प्रो. जगदीश सिंह–भौगोलिक चिन्तन का क्रम विकास ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह – भौगोलिक चिन्तन की समीक्षा, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- Dicbinron, RE ‘ The makers of Modern Geography.
- Hartshorne, R- The Nature of Geography.
- Harvey.D. Explanations in Geography, edvard Arnold London.
- Chorley. R.J, Direction in Geography, Methuen, London

DCEGO- 103विश्व का प्रादेशिक भूगोल

खण्ड 1 विश्व का प्रादेशिक भूगोल

- इकाई—1 प्रदेश की संकल्पना एवं प्रादेशीकरण
- इकाई—2 प्रदेश के प्रकार एवं विशेषताएं
- इकाई—3 विश्व में परम्परागत उर्जा संसाधन—वितरण एवं उत्पादन कोयला एवं पेट्रोल
- इकाई—4 विश्व के संसाधन प्रदेश

खण्ड 2

- इकाई—5 विश्व का त्रिपक्षीय विभाजन — प्रथम विश्व, द्वितीय विश्व एवं तृतीय विश्व
- इकाई—6 मानव विकास सूचकांक— आधार एवं विश्व प्रतिरूप
- इकाई—7 विश्व के प्राकृतिक प्रदेश— आधार, वितरण एवं विशेषताएं
- इकाई—8 मानसून एशिया — स्थिति एवं विशिष्टताएं

खण्ड 3

- इकाई—9 यू.एस.ए.— भौतिक प्रदेश, कृषि प्रदेश एवं औद्योगिक प्रदेश
- इकाई—10 ब्राजील— भौतिक पर्यावरण, जनसंख्या, संसाधन आधार कृषि प्रदेश
- इकाई—11 मिश्र— भौतिक पर्यावरण, जनसंख्या एवं कृषि प्रदेश

खण्ड 4

- इकाई—12 जापान— प्राकृति संसाधन आधार कृषि एवं औद्योगिक प्रदेश
- इकाई—13 विश्व में उर्जा संकट एवं हरित उर्जा
- इकाई—14 विश्व में प्रमुख संगठन— त्रिक्स, एशियान, सार्क, जी—7

DCEGO- 104 पर्यावरण भूगोल

खण्ड 01—पर्यावरण

- इकाई 01— पर्यावरण : अवधारणा, संघटक एवं प्रकार
इकाई 02— पारिस्थितिकी : अवधारणा, प्रकार एवं सिद्धान्त।
इकाई 03— पारिस्थितिक तंत्र : अवधारणा, संघटक, कार्यशीलता एवं स्थिरता।
इकाई 04— विश्व के प्रमुख पारिस्थितिक तंत्र।

खण्ड 02—प्राकृतिक संसाधन

- इकाई 01— प्राकृतिक संसाधन : अवधारणा, वर्गीकरण एवं संरक्षण के सिद्धान्त।
इकाई 02— जैव संसाधन
इकाई 03—जल संसाधन, मृदा संसाधन , ऊर्जा संसाधन
इकाई 04— खनिज संसाधन – उत्पादन, उपयोग एवं संरक्षण

खण्ड 03—प्राकृतिक आपदा

- इकाई 01— प्राकृतिक आपदा : अवधारणा एवं प्रकार, प्रमुख प्राकृतिक आपदायें ,
इकाई 02— जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण
इकाई 03— ठोस अपशिष्ट, प्रदूषण एवं प्रबन्धन ।
इकाई 04— पर्यावरण गुणता प्रबन्धन, पर्यावरण संबंधी विधान, पर्यावरण प्रबन्धन में समानताएँ और असमानताएँ।

खण्ड 04—जनसंख्या एवं पर्यावरण

- इकाई 01— जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण: विश्व जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण ।
इकाई 02—भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं सामाजिक-आर्थिक संरचना।
इकाई 03— जनसंख्या वृद्धि एवं घनत्व के पर्यावरणीय प्रभाव।
इकाई 04—पर्यावरण एवं स्वास्थ्य, जन जीवन पर पर्यावरणीय दुर्घटनाओं के प्रभाव।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची –

- पर्यावरण अध्ययन

Ordinance

MAGO (M.A. Geography)

A brief note on the Innovation and the Employability

6. Now a days Geography has become a very useful subject in various competitive examinations including Civil Services and Rajasthan Administrative Services.
7. Geography not only deals with the physical, economic and social conditions of the World, India. Uttar Pradesh but now its nature has become applied and it is helpful in solving the environmental and urban problems.
8. Geography provides a background for the regional planning in development and help in sustainable development.
9. The modern techniques of Geographical analysis such as Remote Sensing, GIS, GPS etc. are helpful in Resource and Environmental Management and Disaster Management.
10. Geography provide an opportunity of employment in various fields,
The important are:
 - m. Teaching and Research;
 - n. Town Planning Departments;
 - o. Regional Planning;
 - p. Remote Sensing;
 - q. Statistical Departments;
 - r. Urban/Rural/Agricultural Planning;
 - s. Water Resource Departments;
 - t. Demographic Study Departments &
 - u. Administrative Services- Central and State Governments.

M.A./M.Sc. (GEOGRAPHY)

SCHEME OF EXAMINATION- 2018

Each Theory Paper 3 Hrs. duration

Max. Marks : 100 Marks

Dissertation/Thesis/Survey Report/ Field work, if any 100 marks

3. The number of paper and the maximum marks for each paper, practical shall be shown in the syllabus for the subject concerned. It will be necessary for a candidate to pass in the theory part as well as in the Assignment part (wherever prescribed) of a subject/Paper separately.
4. A candidate for a pass at each of the Previous and the Final Examination shall be required to obtain (i) at least 36% marks in the aggregate of all the papers prescribed for the examination. No division will be awarded at the Previous Examination; Division shall be awarded at the end of the Final Examination on the combined marks obtained at the Previous and the Final Examination taken together, as noted below:

The evaluation system of the programme will be based on two components:

- (a). Continuous evaluation in the form of periodic assignments, mid-term tests etc., with a weightage of 30%.
- (b). Semester-end examination, with a weightage of 70%.

The division shall be awarded to a successful candidate at the end of his examination On the basis of their aggregate marks in all papers/courses as per following break-up.

First Division	60% or above
Second Division	48% or more but less than 60%

Third Division

36% or more but less than 48%

Each course will carry 100 marks out of which the written paper shall consist of 70 marks and 30 marks shall be allotted for the candidate's performance in the sessional works, i.e. mid-term tests, assignments etc. To pass, the candidate must obtain a minimum of 36% marks in each course of study, practical and project examination separately. A candidate is required to pass both in Assignments and Term-end examination individually. The candidate having marks less than aggregate 36% shall be declared as 'failed'.

Note: If any candidate have back paper/papers in M.A. programme then they will eligible to give that paper/papers only in the next session.

5. The Thesis/ Dissertation/Survey Report : Field Work shall be typed & written and submitted in triplicate so as to reach the office of the Controller of Examination at least 3 weeks before the commencement of the theory examination. Only, such candidates shall be permitted to offer. dissertation/Field work/Survey report. Thesis (if provided in the scheme of examination) in lieu of a paper as have secured at least 55% marks in the aggregate of all scheme, irrespective of the number of papers in which a candidate actually appeared at the examination.

M.A. Geography

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

कार्यक्रम कोड/Programme Code	: 201	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में) Programme Duration (in yrs.)	: न्यूनतम Minimum	: 2	अधिकतम Maximum	: 4
कार्यक्रम माध्यम/Medium of Instruction	: हिन्दी/Hindi	कार्यक्रम शुल्क प्रतिवर्ष/ Programme Fee Per Year	: 8000+100/ -			
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता/ Minimum Qualification for Admission	: स्नातक (तीन वर्षीय)/Three years Bachelor Degree With Geography Or Geography Hons.	अधिन्यास कार्य/Assignment Work	: आवश्यक/Essential			

There will be three compulsory papers in both the year and one elective discipline centric paper in both the year. With the core course there will be one paper from other discipline in both the year and one Paper of Non Credit Compulsory foundation course in second year. Each of the papers will be of 100 (30+70=100) Marks. Each theory paper will be of three hours duration. Candidates. will be required to pass both in Theory and Assignment separately for qualifying the programme.

भूगोल(GEOGRAPHY) MAGO

Year/ वर्ष	Course Code/ पाठ्यक्रम कोड	Title of Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits/क्रेडिट		Compulsory/ Elective अनिवार्य/ वैकल्पिक	
Compulsory Core Course /विषय केन्द्रित अनिवार्य पाठ्यक्रम						
1 st sem.	MAGO-101	भू-आकृति विज्ञान (Geomorphology)	6		अनिवार्य	
	MAGO-102	भारत भौगोलिक आधार एवं आयाम	6		अनिवार्य	
	MAGO-103	आर्थिक भूगोल के मूल तत्व	6		अनिवार्य	
2 nd sem.	MAGO-104	संसाधन भूगोल	6		अनिवार्य	
	MAGO-105	जलवायु विज्ञान	6		अनिवार्य	
	MAGO-106	समुद्र विज्ञान	6		अनिवार्य	
3 rd sem.	MAGO-107	जनसंख्या भूगोल	6		अनिवार्य	
	MAGO-108	भौगोलिक चिन्तन के मूलाधार	6		अनिवार्य	
	MAGO-109	पर्यावरण प्रबन्धन एवं संविकास	6		अनिवार्य	
4 th sem.	MAGO-110	मानचित्र कला एवं सांख्यिकी विधिया	6		अनिवार्य	
	Group 1	MAGO-111	परिवहन भूगोल	6	12	अनिवार्य
		MAGO-112	राजनीतिक भूगोल	6		अनिवार्य
	OR					
	Group 2	MAGO-113	परियोजना कार्य	6	12	अनिवार्य
		MAGO-114	परियोजना कार्य आधारित मौखिकी	6		अनिवार्य

MAGO-101भू-आकृतिक विज्ञान
खण्ड-01 भू-आकृतिक विज्ञान का परिचय

- इकाई 01—भू आकृति विज्ञान की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र, मौलिक संकल्पनाएं
इकाई 02—पृथ्वी की आन्तरिक संरचना, महाद्वीप एवं महासागरों की उत्पत्ति के सिद्धान्त
इकाई 03—भू- संतुलन का सिद्धान्त भू-संचलन तथा तज्जनित आकृतियाँ (अन्तर्जात एवं बहिर्जात बल),
इकाई 04—ज्वालामुखी ज्वालामुखी क्रिया एवं स्थलाकृतियाँ,
इकाई 05—चट्टान एवं उनका वर्गीकरण

खण्ड- 02 उच्चावच एवं अपक्षय-अपरदन

- इकाई 06—प्लेट विवर्तनिक सिद्धान्त, भूकम्प एवं ज्वालामुखी कारण, विश्व वितरण एवं सम्बन्धित भू आकृतिया।
इकाई 07— पर्वत निर्माण के सिद्धान्त
इकाई 08— अपक्षय एवं अपरदन, अपक्षय को प्रभावित करने वाले कारक
इकाई 09—अपरदन के कारक, सामान्य अपरदन चक्र
इकाई 10— अपवाह प्रणाली एवं अपवाह प्रतिरूप, डेविस एवं पेंक का अपरदन चक्र

खण्ड- 03 भूआकारिकी

- इकाई 11—जलीय भू- आकारिकी और कार्टे भूआकारिकी
इकाई 12—तटीय भूआकारिकी
इकाई 13— शुष्क (पवन) भूआकारिकी तथा हिमानी भूआकारिकी
इकाई 14— प्रादेशिक भू आकृति की – कुमायूं हिमालय, गंगा मैदान, छोटा नागपुर पठार

खण्ड- 04 व्यावहारिक भू-आकृति

- इकाई 15—ढाल विश्लेषण –ढाल का वर्गीकरण, ढाल विकास के माडल
इकाई 16—ढाल विश्लेषण (वेन्टवर्थ विधि) आकार मिति विश्लेषण, पार्श्विका-क्रमिक, अध्यारोपित, मिश्रित,
इकाई 17—व्यावहारिक भू-आकृति विज्ञान, मानव जनित भू-आकारिकी विज्ञान
इकाई 18—जलवायु परिवर्तन एवं भू आकारिकी,
इकाई 19—प्रादेशिक नियोजन में भू-आकृति विज्ञान का उपयोग

सन्दर्भ ग्रन्थ

- प्रो. जगदीश सिंह एवं के.एन. सिंह – भौतिक भूगोल ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
- प्रो. सविन्द्र सिंह – भू- आकृति विज्ञान का स्वरूप प्रवालिका पब्लिकेशन्स, यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद
- R.N. Tikkaa- भौतिक भूगोल का स्वरूप
- Thornbury – Principles of Geomorphology
- R.L. Singh – Elements of Practical Geography N.G.S.I. Varanasi

MAGO-102भारत का भूगोल

खण्ड-01 भारत भूगोल

- इकाई 01—सामान्य परिचय, भौमिकीय संरचना, भौतिक प्रदेश, अपवाह तन्त्र
इकाई 02—जलवायु, प्रमुख विशेषताएं, मानसून की उत्पत्ति एवं संकल्पना
इकाई 03— एल नीनो, ला नीना, जलवायु प्रदेश
इकाई 04—मिट्टी : प्रकार एवं वितरण, वनस्पति प्रकार एवं वितरण।

खण्ड 02—सिंचाई एवं कृषि

- इकाई 01— सिंचाईबहु—उद्देशीय परियोजनाएँ, जलागम क्षेत्र विकास
इकाई 02— कृषि, कृषि—जलवायुविक प्रदेश, शस्य संयोजन प्रदेश
इकाई 03—भारत में हरित क्रान्ति, हरित क्रान्ति के पर्यावरणीय प्रभाव,
इकाई 04—पर्यावरणीय कृषि, भारत में खाद्यान्न सुरक्षा, भारत की कृषि नीति

खण्ड 03—खनिज एवं ऊर्जा संसाधन

- इकाई 01—खनिज, लौह—अयस्क, अभ्रक, कोयला
इकाई 02—पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, जलविद्युत
इकाई 03— परमाणु ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण, हरित ऊर्जा
इकाई 04—उद्योग — लौह—इस्पात, वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, औद्योगिक प्रदेश, प्रादेशिक असमानता एवं विकास ।

खण्ड 04—जनसंख्या

- इकाई 01—जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, जनसंख्या की संरचना—आयु, लैंगिक
इकाई 02—जनसंख्या नीति, नगरीकरण की प्रकृति, नगरीकरण जन्म समस्याएं, भारत की नगरीकरण की नीति
इकाई 03—जनसंख्या एवं पर्यावरण, भारत में संविकास के प्रयास
इकाई 04— अधिवास प्रतिरूप, परिवहन के साधन एवं माध्यम।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

1. प्रो. जगदीश सिंह—भारत: भौगोलिक आधार एवं आयामज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
2. प्रो. आर.सी. तिवारी— भारत का भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन्स
3. Jagdish Singh, India : A Comprehensive and Systematic Geography Gyanodaya Publication Gorakhpur
4. Singh R.L. - India : A Regional Geography, N.G.S.I. Gorakhpur
5. Nag, P. and Sengupta, S.- Geography of India, Concept Publishing Company, New Delhi.

खण्ड 01— आर्थिक भूगोल का परिचय

- इकाई 01—** आर्थिक भूगोल की संकल्पना, विषय क्षेत्र, आधारभूत संकल्पनाएं, आर्थिक भूगोल का क्रम विकास एवं बदलती परिभाषाएं,
- इकाई 02—** अध्ययन के उपागम, अध्ययन की विधियाँ, आर्थिक भूगोल का अर्थशास्त्र से सम्बन्ध, भू-मण्डलीकरण,
- इकाई 03—** 21 वीं शताब्दी में आर्थिक भूगोल का उभरता परिदृश्य
- इकाई 04—** खनिज संसाधनों की विशेषताएं एवं उत्खनन को प्रभावित करने वाली दशाएं तथा कारक,
- इकाई 05—** विश्व स्तर पर लौह-इस्पात, बाक्साइट, टिन की संचित राशि, उत्पादन, वितरण एवं व्यापार।

खण्ड 02—विश्व में ऊर्जा तथा शक्ति संसाधन

- इकाई 06—** विश्व में ऊर्जा तथा शक्ति संसाधन— ऊर्जा के विविध प्रारूप, ऊर्जा की विद्यमान स्थिति तथा परिस्थितियाँ, पेट्रोलियम, विश्व स्तर पर संचित राशि, प्रादेशिक वितरण एवं व्यापार,
- इकाई 07—** प्राकृतिक गैस— पर्याप्तता एवं संचित राशि, कोयला संचित राशि, उत्पादन वितरण,
- इकाई 08—** जल — विद्युत शक्ति — प्राकृतिक दशाएं, विश्व स्तर पर संभाव्यता एवं उत्पादन का वितरण स्वरूप,
- इकाई 09—** ऊर्जा के संभाव्य स्रोत— शिला तेल, अणु ईंधन,
- इकाई 10—** नव्यकरणीय ऊर्जा स्रोत— सौर शक्ति, भू-तापीय ऊर्जा, विश्व ऊर्जा संकट, ऊर्जा भविष्यक्षण तथा संरक्षण।

खण्ड 03—कृषि

- इकाई 11—** कृषि के स्थानीयकरण के सिद्धान्त— फॉन थ्यूनेन का सिद्धान्त, आधुनिक सिद्धान्त,
- इकाई 12—** कृषि प्रदेश, परिभाषा, सीमांकन के आधार तत्व, उद्भव एवं विकास के कारण,
- इकाई 13—** विश्व के कृषि प्रदेश, कृषि प्रदेशों का सीमांकन तथा विशेषताएं
- इकाई 14—** यू.एस.ए. के कृषि प्रदेश, चीन के कृषि प्रदेश एवं नवीनतम वैज्ञानिक कृषि प्रदेश।

खण्ड 03—उद्योग एवं औद्योगिकरण

- इकाई 15—** वस्तु निर्माण उद्योग, लघु पैमाने के उद्योग, वृहद उद्योग, उद्योगों का स्थानीयकरण,
- इकाई 16—** उद्योग स्थानीयकरण के सिद्धान्त— बेवर का सिद्धान्त, बेवर के सिद्धान्तों में परिष्कार, बाजार प्रतिस्पर्धा सिद्धान्त, समन्वित सिद्धान्त,
- इकाई 17—** स्थानीयकरण के विभिन्न तत्वों का सापेक्षिक महत्व : बाजार, शक्ति, श्रम, पूँजी तथा उद्योग का स्थानीयकरण
- इकाई 18—** औद्योगिक प्रदेश—परिभाषा एवं सीमांकन, औद्योगिकरण का स्तर निर्धारित करने की विधियाँ,
- इकाई 19—** विश्व के औद्योगिक प्रदेश— यूरोपीय समुदाय के औद्योगिक प्रदेश, अमेरिका के औद्योगिक प्रदेश एवं जापान के औद्योगिक प्रदेश,
- इकाई 20—** आर्थिक विकास, आर्थिक तंत्र के प्रारूप, आर्थिक प्रादेशिकरण— सैद्धान्तिक विवेचन, आर्थिक विकास के सिद्धान्त, आर्थिक प्रदेश और प्रादेशिकरण, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

1. प्रो. जगदीश सिंह— आर्थिक भूगोल के मूलतत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
2. अलका गौतम— आर्थिक भूगोल के मूलतत्व, शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद
3. एस. डी. मौर्य— आर्थिक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन इलाहाबाद
4. J.W. Alexander- Economic Geography
5. Leong, G.C. and Morgan, G.C. Human and Economic Geography, Oxford University Press Hong Kong.
6. Gautam, A. Aarthik Bhugol Ke Mool Tattava, Sharda pustak Bhawan, Prayagraj.

खण्ड-01 संसाधन भूगोल का परिचय

- इकाई 01— संसाधन का तात्पर्य एवं परिभाषा, मानव का उद्विकास तथा संसाधन आधार विस्तार की प्रक्रिया,
इकाई 02— मानव का सम्पूर्ण संसार में प्रसार, मानव द्वारा संसाधन विकास के सोपान, संसाधन एवं संस्कृति का गात्यात्मक सम्बन्ध,
इकाई 03— संसाधन भूगोल का स्वरूप एवं क्रम-विकास, संसाधन भूगोल के उपागम,
इकाई 04— संसाधन भूगोल की मौलिक अवधारणाएँ।

खण्ड-02 संसाधन संकल्पना

- इकाई 05— संसाधन की संकल्पना, संसाधन एवं संस्कृति, संसाधन वर्गीकरण:— प्राकृतिक संसाधन तथा मानव, संसाधन
इकाई 06— पर्याप्तता का सिद्धान्त, संसाधन दुर्लभता की परिकल्पना, वृद्धि की सीमाएं,
इकाई 07— संसाधन पारिस्थितिकी, संसाधन संरक्षण— संकल्पना, संरक्षण के नियम,
इकाई 08— मिट्टी संसाधन-वर्गीकरण, वितरण, मिट्टी संरक्षण के सामान्य सिद्धान्त, भारत में मिट्टी संरक्षण।

खण्ड-03 जैविक संसाधन

- इकाई 09— जीवीय संसाधन: प्राकृतिक वनस्पति का वर्गीकरण, वितरण एवं वन समुदाय,
इकाई 10— जीवीय संसाधनों का उपयोग, विश्व स्तरीय स्वरूप, लुग्दी तथा कागज उद्योग,
इकाई 11— वनों का दुरुपयोग, जैविक विविधता, वन संरक्षण के सिद्धान्त, भारत में वन संरक्षण,
इकाई 12— जल संसाधन— विश्व स्तर पर जल की सुलभता एवं उपयोग, जल का मानवोपयोग समुद्री जल से मत्स्य उत्पादन तथा वितरण, विश्व स्तर पर सिचाई का स्वरूप, जल संरक्षण।

खण्ड-04 विश्व में जनसंख्या संसाधन एवं प्राविधिकी

- इकाई 13— विश्व में जनसंख्या की वृद्धि एवं वितरण तथा जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त
इकाई 14— जनसंख्या एवं संसाधन अन्तर्सम्बन्ध,
इकाई 15— विश्व में ऊर्जा संकट एवं वैकल्पिक ऊर्जा,
इकाई 16— विश्व के संसाधन प्रदेश— सीमाकन, ध्रुव परिमण्डल, आंग्ल अमेरिका, शीतोष्ण यूरोपीय, अफ्रीकी-एशियाई शुष्क प्रदेश, लैटिन अमेरिका, प्रशान्त महासागरीय प्रदेश, सहारा के दक्षिण स्थित अफ्रीका, मानसून एशिया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- प्रो. जगदीश सिंह "संसाधन भूगोल" ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
- Zimmerman, E.W. Introduction to World Resources.
- Stromger, E. & Davis, J.S. Geography of Resources.
- Ali, S.R. : Resources or Future Economic Groth.
- Janaki. V.A. Economic Geography.
- Dr. Alka Gautam, : Resources Geography.

MAGO-105 जलवायु विज्ञान

खण्ड- 01 जलवायु विज्ञान-परिचय

इकाई 01- जलवायु विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषा, उद्देश्य एवं विषय क्षेत्र

इकाई 02- वायुमण्डल अर्थ एवं महत्व, वायुमण्डल की उत्पत्ति एवं विकास

इकाई 03- वायुमंडल का संघटन एवं संरचना

इकाई 04- सूर्यातप, सूर्यातप का वितरण, सूर्यातप के वितरण को प्रभावित करने वाले कारक

इकाई 05- सौर विकिरण, पृथ्वी का ऊष्मा बजट, पार्थिव विकिरण

खण्ड- 02 महासागरो के नितल का उच्चावय

इकाई 06- वायुदाब: अर्थ तथा महत्व, वायुदाब तथा पवन, वायुदाब प्रवणता, वायुदाब के प्रकार, वायुमंडलीय गतियों

इकाई 07- पवन पेटियाँ, पवन पेटियों का अक्षांशीय विस्थापन, त्रिकोणीय रेखांशिक परिसंचरण

इकाई 08- जेट स्ट्रीम, मौसम पर जेट-स्ट्रीम का प्रभाव, एल निनो-ला निना।

खण्ड- 03 मानसून

इकाई 09- मानसून: परिभाषा, मानसून प्रस्फोट, मानसून के प्रकार तथा वितरण

इकाई 10- भारतीय मानसून की उत्पत्ति, स्थानीय पवनद्व सागर समीर एवं स्थल समीर, पर्वत समीर एवं घाटी समीर, चिन्नूक, फॉन, हरमट्टान, सिराको, ब्लिजर्ड, आंधी बगूला, लू, सान्ता अना।

इकाई 11- आर्द्रता: अर्थ तथा महत्व, संघनन, कुहरा, एवं प्रकार वर्षण के सिद्धान्त वर्गीकरण, उत्पत्ति, वर्षा एवं वर्षा के प्रकार, बादल, वर्गीकरण, विशेषताएं

इकाई 12- वायुराशियाँ, अर्थ एवं संकल्पना, विशेषतायें, तथा वर्गीकरण, विश्व की प्रमुख वायुराशियां

खण्ड- 04 महासागरीय धारायें- उत्पत्ति एवं प्रकार

इकाई 13- वाताग्र एवं उसके प्रकार, चक्रवात, अर्थ एवं परिभाषा, शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवात प्रकार एवं उत्पत्ति,

इकाई 14- उष्ण कटिबंधीय चक्रवात-प्रकार एवं उत्पत्ति, संरचना, प्रतिचक्रवात, अर्थ एवं विशेषताएं, प्रकार।

इकाई 15- वायुमंडलीय प्रकोप- तड़ितझंझा, टारनैडो, हरिकेन, बाढ, सूखा।

खण्ड- 05

इकाई 16- विश्वस्तर पर जलवायु का प्रादेशीकरण- कोपेन तथा थार्नथ्वेट के द्वारा सीमांकित जलवायु प्रदेशों का वर्गीकरण एवं विशेषताएं

इकाई 17-जलवायु के प्रकार एवं उनका वितरण, उष्णकटिबंधीय वर्षा वन जलवायु, उष्णकटिबंधीय मानसूनी जलवायु, सवाना तुल्य जलवायु, टुण्ड्रा जलवायु

इकाई 18- जलवायु परिवर्तन : अर्थ एवं संकल्पना, जलवायु परिवर्तन: के कारक एवं प्रभाव

इकाई 19- प्रदूषण - वायु प्रदूषण, अम्ल वर्षा, वायु प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य एवं वनस्पतियों पर प्रभाव, हरित गृह प्रभाव, ओजोन क्षरण

इकाई 20- व्यावहारिक जलवायु विज्ञान-परिभाषा, जलवायु एवं कृषि, जलवायु एवं मानव स्वास्थ्य, जलवायु एवं जीवमंडल।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची-

- डी.एस.लाल, जलवायु एवं समुद्र विज्ञान - शारदा पुस्तक भवन, यूनिवर्सिटी रोड, प्रयागराज
- प्रो. सविन्द्र सिंह, जलवायु एवं समुद्र विज्ञान - प्रवालिका पब्लिकेशन्स, यूनिवर्सिटी रोड, प्रयागराज
- Lydolph.P.E.: The Climate of the Earth.
- King, C.A. (1986): Oceanography, C.E. Arnold, London.

MAGO-106 समुद्र विज्ञान

खण्ड- 01 समुद्र विज्ञान: परिभाषा, विषय क्षेत्र

इकाई 01- महासागरो का महत्व, परिभाषा एसं विषय क्षेत्र

इकाई 02- समुद्र विज्ञान की शाखायें, समुद्र विज्ञान तथा उससे सम्बन्धित अन्य विषय

खण्ड- 02 महासागरो के नितल का उच्चावच

इकाई 03- महाद्वीपीय मग्न तट, मग्न तटों की उत्पत्ति, महाद्वीपीय मग्न ढाल,

इकाई 04- समुद्री कैनियन एवं उनकी उत्पत्ति, गहरे समुद्री मैदान, महासागरीय गर्त

इकाई 05- प्रशान्त महासागर- आकार एवं विस्तार, प्रशान्त महासागर के नितल का उच्चावच, प्रशान्त महासागर के द्वीप

इकाई 06- हिन्द महासागर- आकार एवं विस्तार, हिन्द महासागर के नितल का उच्चावच, तटवर्ती समुद्र

इकाई 07- अंटलाटिक महासागर- आकार एवं विस्तार, नितल के उच्चावच अंटलाटिक महासागर के द्वीप

खण्ड- 03 महासागरीय तल की लवणता तथा महासागरीय निक्षेप

इकाई 08- महासागरीय जल का संघटन, लवणता का वितरण

इकाई 09- लवणता के नियन्त्रक कारण, महासागरीय जल की लवणता का ऊर्ध्वधर वितरण

इकाई 10- लवणता का प्रादेशिक वितरण-प्रशान्त महासागर, हिन्द महासागर

इकाई 11- महासागरीय निक्षेपों के स्रोत, महासागरीय मग्नतर एवं मग्न ढाल के निक्षेप, जैविक एवं कार्बनिक निक्षेप

खण्ड- 04 महासागरीय धारायें- उत्पत्ति एवं प्रकार

इकाई 12- महासागरीय धाराओं की उत्पत्ति, धाराओं की उत्पत्ति के लिए उत्तरदायी कारण

इकाई 13- धाराओं को प्रभावित करने वाले कारक, धाराओं के प्रकार, महासागरीय धाराओं का महत्व

इकाई 14- विभिन्न महासागरों की प्रमुख जलधाराएं

खण्ड- 04 ज्वार-भाटा एवं प्रवाल भित्ति

इकाई 15- ज्वार-भाटा की उत्पत्ति के कारण एवं विशेषताएं

इकाई 16- ज्वार-भाटे के प्रकार, ज्वार-भाटा के प्रभाव

इकाई 17- ज्वार-भाटा की उत्पत्तिके सिद्धान्त, ज्वार-भाटा से ऊर्जा उत्पादन

इकाई 18- प्रवाल-भित्तियों- निर्माण के लिए आवश्यक दशाएं, प्रवाल के प्रकार, प्रवाल- भित्तियों की उत्पत्ति सिद्धान्त, प्रवाल विरंजन

इकाई 19- समुद्री संसाधन, सागरीय ऊर्जा संसाधन, समुद्री प्रदुषण के स्रोत

खण्ड 1 जनसंख्या भूगोल: अर्थ, विषय क्षेत्र एवं विकास

- इकाई-1 भूगोल में जनसंख्या अध्ययन, जनसंख्या भूगोल की परिभाषा, एवं विषय-क्षेत्र
इकाई-2 जनसंख्या भूगोल के उपागम, जनसंख्या भूगोल का विकास
इकाई-3 जनसंख्या भूगोल और अन्य सामाजिक शास्त्र, भारत में जनसंख्या भूगोल

खण्ड 2 जनसंख्या वितरण एवं घनत्व तथा जनसंख्या वृद्धि

- इकाई-4 संकल्पना एवं महत्व, जनसंख्या के वितरण एवं घनत्व को प्रभावित करने वाले कारक
इकाई-5 जनसंख्या का विश्व-वितरण – अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र, मध्यम जनसंख्या वाले क्षेत्र, अल्प तथा अत्यल्प जनसंख्या वाले क्षेत्र, जनरिक्त क्षेत्र
इकाई-6 जनसंख्या घनत्व- प्रकार, जनसंख्या घनत्व का विश्व वितरण
इकाई-7 भारत में जनसंख्या का वितरण एवं घनत्व
इकाई-8 विश्व में जनसंख्या वृद्धि, भारत में जनसंख्या वृद्धि,

खण्ड 3 प्रजननता एवं मर्त्यता

- इकाई-9 प्रजननता का अर्थ, प्रजननता के निर्धारक
इकाई-10 विश्व में प्रजननता प्रतिरूप, भारत में प्रजननता
इकाई-11 मर्त्यता का अर्थ, मृत्युदर में भिन्नता के कारण, भारत में मर्त्यता

खण्ड 4 जनसंख्या संघटन

- इकाई-12 लिंगानुपात के परिकलन की विधियाँ, लिंगानुपात के प्रकार
इकाई-13 विश्व में लिंगानुपात प्रतिरूप, भारत में लिंगानुपात प्रतिरूप
इकाई-14 आयु संघटन को प्रभावित करने वाले कारक, विश्व में आयु संरचना।

खण्ड 5 साक्षरता एवं नगरीकरण तथा जनसंख्या के सिद्धान्त

- इकाई-15 साक्षरता का अर्थ, साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारण
इकाई-16 विश्व में साक्षरता प्रतिरूप, भारत में साक्षरता दर में वृद्धि पुरुष तथा स्त्री साक्षरता में अन्तर।
इकाई-17 नगरीयकरण का अर्थ, नगरीयकरण के प्रभाव, भारत में नगरीयकरण।
इकाई-18 माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त, नव माल्थसवाद, अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त

खण्ड 6 जनसंख्या समस्याएँ एवं नीति

- इकाई-19 जनसंख्या से उत्पन्न समस्याएँ, भारत में जनसंख्या की समस्याएँ
इकाई-20 जनसंख्या नीति का अर्थ, आवश्यकता एवं उद्देश्य, भारत की जनसंख्या नीति, मई जनसंख्या नीति

MAGO-108

भौगोलिक चिन्तन के मूलाधार

खण्ड- 01 भौगोलिक चिन्तन की परिवर्तनशील प्रवृत्तियाँ

- इकाई 01— भौगोलिक चिंतन की प्रवृत्तियाँ—प्राचीन काल
इकाई 02— छायावादी युग
इकाई 03— द्वैतवादी युग
इकाई 04— नियतवाद एवं सम्भववाद, अभिनव प्रवृत्तियाँ।

खण्ड 02—भूगोल का चिन्तन फलक

- इकाई 01— भूगोल का परिवर्तनशील चिंतन फलक।
इकाई 02— भूगोल भू-भौतिकी के रूप में।
इकाई 03— भूगोल प्रकृति—मानव अन्तर्सम्बन्ध के रूप में।
इकाई 04— भू वैन्यासिक भूगोल, समाजवादी भूगोल की संकल्पना— पर्यावरण कारणवाद, संविकास।

खण्ड 03—भौगोलिक संकल्पनाएँ

- इकाई 01— भूतल की अवधारणा, भूदृश्य की संकल्पना
इकाई 02— प्रादेशिक एवं सांस्कृतिक भूदृश्य, केन्द्र स्थल सिद्धान्त
इकाई 03— तन्त्र की संकल्पना, तन्त्र के प्रकार, भूगोल में तन्त्र विश्लेषण
इकाई 04— मानव पर्यावरण गत्यात्मकता (एकात्मकता)

खण्ड 04— आधुनिकतावाद एवं उत्तर आधुनिकतावाद

- इकाई 01— 20 वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भूगोल
इकाई 02— शोफर— हार्टशोर्न विवाद
इकाई 03— उत्तर आधुनिकतावाद
इकाई 04— स्त्रीवाद एवं लैंगिक भूगोल, भूगोल में मात्रात्मक क्रान्ति

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- प्रो. जगदीश सिंह 'भौगोलिक चिंतन के मूलाधार' ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर
- डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह — भौगोलिक चिन्तन की समीक्षा, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- Dicbinron, RE 'The makers of Modern Geography.
- Hartshorne, R- The Nature of Geography.
- Harvey.D. Explanations in Geography, edvard Arnold London.
- Chorley. R.J, Direction in Geography, Methuen, London

MAGO-109 पर्यावरण प्रबन्धन एवं संविकास

Block 1- पर्यावरण परिस्थितिकी तन्त्र एवं मानव

Unit 1-पर्यावरण, जीवमण्डल एवं पारिस्थितिकी तन्त्र

Unit 2- जैव-भूरसायन चक्र

Unit 3-पारिस्थितिकी तन्त्र की स्थिरता

Unit 4-पारिस्थितिकी तन्त्र में अस्थिरता एवं पर्यावरण संकट के कारक

Block 2- पर्यावरण : समृद्धि दुष्चक्र

Unit 5-आर्थिक विकास एवं पर्यावरण संकट

Unit 6-जनसंख्या एवं पर्यावरण हास, निर्धनता एवं पर्यावरण हास

Unit 7-कृषि क्षेत्र में विस्तार, हरित क्रान्ति एवं पर्यावरण हास

Unit 8-नर्मदा परियोजना का विशेष अध्ययन

Block 3- वनस्पति, मिट्टी एवं पारिस्थितिकी तन्त्र

Unit 9-वनस्पति समुदाय, वनस्पति अनुक्रम

Unit 10-विश्व के प्रमुख पारिस्थितिकी तन्त्र, निर्वनीकरण की प्रक्रिया, उसके कारण एवं परिणाम

Unit 11-मिट्टी के तत्व मिट्टी का प्रादेशिक वर्गीकरण

Unit 12-मिट्टी का उत्पादन क्षमता एवं उसमें हास, मिट्टी का कटाव एवं मऊस्थलीयकरण

Block 4- प्रदूषण एवं प्राकृतिक आपदाएँ

Unit 13 - जलप्रदूषण: संकल्पना, विश्वस्तर पर जल प्रदूषण की समस्याएँ एवं उपाय

Unit 14- भूमिगत जल अवक्रमण, प्रदूषण के कारक एवं परिणाम, भारत में जल संकट,

Unit 15- वायु प्रदूषण की संकल्पना, वायु प्रदूषण के कारक, ध्वनि प्रदूषण

Unit 16 भारत में ऊर्जा संकट: सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा एवं बायोगैस

Unit 17- पर्यावरण प्रबन्ध एवं संविकास: संकल्पना, पर्यावरण प्रबन्धन के उपागम,

Unit 18- पर्यावरण प्रबन्धन के सिद्धान्त, संविकास के संकल्पना, संविकास का दर्शन एवं सिद्धान्त, गंगा शुद्धिकरण परियोजना

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची -

- प्रो. जगदीश सिंह: पर्यावरण प्रबन्ध एवं संविकास, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर
- डॉ. इराक भरुचा: पर्यावरण अध्ययन
- प्रो. सविन्द्र सिंह: पर्यावरणीय भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
- H.M. Saxena: Environmental Geography, Rawat Publication.

MAGO-110

खण्ड-01 मानचित्र एवं मानचित्र प्रक्षेप

इकाई 01—मानचित्र की परिभाषा एवं इतिहास तथा आवश्यकता

इकाई 02—मानचित्र प्रक्षेप— परिभाषा एवं वर्गीकरण

इकाई 03—शंकवाकार प्रक्षेप— एक—मानक अक्षाशवाला शंकु प्रक्षेप, दो मानक वाला शंकु प्रक्षेप, बोन प्रक्षेप— विशेषताएं, रचना एवं उपयोग

खण्ड—02 बेलनाकार प्रक्षेप एवं ध्रुवीय प्रक्षेप

इकाई 01—बेलनाकार प्रक्षेप: गुण—दोष एवं रचना—समक्षेत्र बेलनाकार

इकाई 02—मर्केटर प्रक्षेप, गॉल प्रक्षेप

इकाई 03—ध्रुवीय प्रक्षेप—ध्रुवीय लम्बकोणीय प्रक्षेप, त्रिविमिय ध्रुवीय खमध्य प्रक्षेप, मानचित्र प्रक्षेपों का चयन

खण्ड—03 भौमिकीय मानचित्र

इकाई 01—भौमिकीय मानचित्र की आवश्यकता, संस्तर एवं संस्तर रेखा, नमन, नतिलम्ब

इकाई 02—समविन्यास एवं विषम विन्यास मानचित्र

इकाई 03—बलित संस्तर वाले भौतिक मानचित्र का पार्श्वकाट एवं वर्णन, विषम विन्यास भौतिक मानचित्र की व्याख्या

खण्ड—04 सांख्यिकी

इकाई 01—भूगोल में सांख्यिकीक्रान्ति, भूगोल में सांख्यिकी की उपयोगिता, आंकड़ों के प्रकार

इकाई 02—सहसम्बन्ध— प्रकार, स्पीयरमैन तथा कार्ल पियर्सनकी विधियों द्वारा सहसम्बन्ध की गणना

इकाई 03—लारेंज वक्र, प्रकीर्ण आरेख, उच्चामिति वक्र

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- डॉ. एल.आर सिंह – प्रायोगिक भूगोल के सिद्धान्त, शारदा पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. आर.एल. सिंह –Elements of Practical Geography कल्याणी पब्लिकेशन, वाराणसी
- प्रो. हीरा लाल—प्रयोगात्मक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
- डॉ. आर.सी. तिवारी – अभिनव प्रयोगात्मक भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, प्रयागराज
- प्रो. के.एन. सिंह – प्रायोगिक भूगोल के मूलतत्व, ज्ञानोदय प्रकाशन गोरखपुर

MAGO-111 परिवहन भूगोल

खण्ड—01

इकाई 01—परिवहन भूगोल की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र

इकाई 02—क्षेत्रीय अन्तर्प्रक्रिया – परिपूरकता, मध्यवर्ती आपूर्ति स्रोत का अभाव एवं विनिमय क्षमता

इकाई 03—परिवहन के माध्यमों का क्रमिक विकास,परिवहन के माध्यम एवं साधन, प्राचीन काल, मध्यकाल एवं आधुनिक काल

इकाई 04— परिवहन के माध्यम एवं साधन, परिवहन के माध्यमों का सापेक्षिक महत्व

खण्ड— 02

इकाई 05—मार्गजाल का विश्लेषण—परम्परागत एवं आधुनिक विधियाँ

इकाई 02— ग्राफ सिद्धान्त, प्लानर एवं नान प्लानर ग्राफ, ग्राफ सूचकांक

इकाई 03—अभिगम्यता परिभाषा, प्रकार एवं विश्लेषण

इकाई 04— सम्बद्धता, परिक्रमणता एवं सूचकांक, डेटूर सूचकांक

खण्ड 03—भारत में रेल परिवहन

इकाई 01—रेल परिवहन – वितरण एवं विकास में असमानता एवं समस्याएं

इकाई 02—सड़क परिवहन— वितरण एवं विकास के असमानता एवं समस्याएं

इकाई 03—जल परिवहन – विद्यमान प्रतिरूप, समस्याएं एवं सम्भावनाएं

इकाई 04—वायु परिवहन का विद्यमान प्रतिरूप तथा समस्याएं एवं सम्भावनाएं

खण्ड 04—भारत में परिवहन एवं प्रादेशिक विकास

इकाई 01—भारत में परिवहन की प्रादेशिक विकास में भूमिका।

इकाई 02—परिवहन नियोजन – संकल्पना, विधितंत्र

इकाई 03—भारत की परिवहन नीति।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- के.एन.सिंह – परिवहन भूगोल, ज्ञानोदय प्रकाशन
- जगदीश सिंह – परिवहन एवं व्यापार भूगोल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, उ.प्र.
- Eliot Hurst- Transport Geography.

MAGO-112

राजनीतिक भूगोल

खण्ड 01—राजनीतिक भूगोल

इकाई 01 – राजनीतिक भूगोल— परिभाषा, विषय क्षेत्र।

इकाई 02 – राज्य – राष्ट्र संकल्पना

इकाई 03 – सीमान्त एवं सीमाओं का राजनीतिक भूगोल।

खण्ड 02—राज्य की संरचना

इकाई 01 – राज्य की संरचना मूलक्षेत्र,

इकाई 02 –आधार क्षेत्र एवं राजधानियाँ

इकाई 03 – भू-राजनीतिक सिद्धान्त।

खण्ड 03—संघवाद

इकाई 01— संघवाद की संकल्पना तथा भौगोलिक आधार,

इकाई 02— भारत की राजनीतिक भौगोलिक समस्याएँ,

इकाई 03— अन्तर्राज्य सीमा विवाद।

खण्ड 04—निर्वाचन भूगोल

इकाई 01 – निर्वाचन भूगोल का अर्थ, उद्देश्य एवं प्रासंगिकता।

इकाई 01 – मतदान व्यवहार का भौगोलिक अध्ययन।

इकाई 03 – निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण।

खण्ड 05—विश्व राजनीतिक एवं पर्यावरण

इकाई 01 – विश्व राजनीतिक एवं पर्यावरणीय समस्याएं

इकाई 02 – विश्व के प्रमुख समस्याग्रस्त क्षेत्र

इकाई 03 –हिन्द महासागर का भू- राजनीतिक महत्व।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची—

- डॉ. पी.आर. चौहान, राजनीतिक भूगोल, वसुन्धरा प्रकाशन, गोरखपुर
- C. Gallaher – Key Concepts in Political Geography, Sage Publications.

MAGO-113

परियोजना कार्य (वैकल्पिक प्रश्न-पत्र)

स्थानीय स्तर पर प्राथमिक एवं द्वितीयक आंकड़ों की सहायता से संसाधन एवं सामाजिक आर्थिक विकास केन्द्रित परियोजना रिपोर्ट, जो मानचित्र एवं आरेख के अतिरिक्त न्यूनतम 50 पृष्ठों में हो।

